महाकाली जयन्ती - 4 सितम्बर 2026

महाकाली दीक्षा

महाकाली मनुष्य के मन में जो बाधाएं हैं, अवरोध हैं, निम्नकारी स्थितियां हैं उनका विनाश करने के लिये है। वे खड्ग धारण की हुई हैं, जिससे वे सारी बाधाओं को काट देती हैं, नष्ट कर देती हैं। हमारे भीतर जो भी अज्ञान, अन्धकार, अशुद्धता और निम्नता है, उन्हें नष्ट करने के लिये ही उनका यह भयावह स्वरूप है।

तंत्र की आधारभूत महाविद्या महाकाली से सम्बन्धित दीक्षा जब गुरु कृपा से शिष्य-साधक को प्राप्त हो जाती है तो उस शिष्य-साधक का पूरा जन्म संवर जाता हैं। 'महाकाली दीक्षा' प्राप्त कर यदि साधक श्रद्धा से महाकाली साधना सम्पन्न करता है, तो निश्चित सफलता प्राप्त होती है।

काली साधना दीक्षा परम आवश्यक -

- *महाकाली दीक्षा से व्यक्ति के अन्दर अत्यधिक तेजस्विता स्वतः व्याप्त हो जाती है और उसके प्रतिवादी निष्प्रभावी हो जाते हैं।*
- *महाकाली अपने साधकों पर सदैव परम स्नेह रखने वाली तथा उनका कल्याण करने वाली हैं।*
- *महाकाली साधक समस्त लोकों को वशीभूत करने की क्षमता प्राप्त कर लेता है।*
- *महाकाली अपने समस्त साधकों की इच्छाओं को पूर्ण कर उसे श्री, सम्पन्नता तथा श्रेष्ठता प्रदान करती है तथा साधक के घर में कुबेरवत अक्षय भण्डार बना रहता है।*
- *महाकाली दीक्षा से साधक समस्त रोगों से मुक्त होकर पूर्ण स्वस्थ जीवन व्यतीत करता हैं तथा पूर्ण स्वस्थ एवं दीर्घायु होता हैं।*
- *महाकाली महाविद्या त्रिभुवन में अत्यन्त दुर्लभ चारों पुरुषार्थों को देने वाली, महापापों को नष्ट करने वाली, सनातनी तथा समस्त भोगों को प्रदान करने वाली हैं।*

गुरुदेव से शक्तिपात दीक्षा प्राप्त करना साधनात्मक जीवन का एक टर्निंग प्वाइंट होता है, एक सुनहरा मोड़ जिसके बाद फिर उसके दोष, उसके विकार उसकी सफलता में आड़े नहीं आते। गुरु द्वारा सात चरणों में महाकाली दीक्षा प्राप्त कर, अपने जीवन को सकरात्मकता और विश्वास से परिपूर्ण करें।

महाकाली दीक्षा (प्रति चरण) न्यौछावर - 3100/-